नई सोच, नया आयाम

RNI No. CHHHIN/2009/35020

जोहार छत्तीसगढ़

दैनिक हिन्दी

◆ वर्ष: -14 ◆ अंक: 321 डाक पंजीयन 030/रायगढ़/2015-2017 ◆ मूल्य: 2 ₹ ◆ पृष्ठ : 4

धरमजयगढ़, बुधवार 28 सितंबर 2022

पेज -3 पर

सीएम भूपेश बघेल पहुंचे महामाया के दरबार प्रदेश की खुशहाली के ...

ग्राम बोरतरा में हरि कीर्तन प्रतियोगिता संपन्न हुआ ...

पेज -4 पर

JOHAR CHHATTISGARH epaper for login www.joharchhattisgarh.in

एक नजर

सब इंजीनियर गिरफ्तार, 50 हजार रिश्वत लेते पकड़ाया

बीजापुर। ACB ने सब इंजीनियर 50 हजार रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है. जानकारी के मुताबिक प्रार्थी ने एसीबी जगदलपुर में शिकायत की थी कि प्रार्थी को ठेके में प्राप्त कार्यों के बिल का भुगतान करने के एवज में नगर पंचायत भैरमगढ़, जिला-बीजापुर में पदस्थ सब इंजीनियर मुकेश कुमार साव द्वारा 1,30,000/- रूपये रिश्वत की मांग की जा रही थी। प्रार्थी और आरोपी के मध्य किस्तों में 1,30,000/- रूपये देने की सहमति बनी। शिकायत का सत्यापन होने पर आज प्रार्थी से मांगी गई रिश्वत की प्रथम किस्त रकम 50,000/- रूपये लेते मुकेश कुमार साव, सब इंजीनियर, नगर पंचायत भैरमगढ़, जिला-बीजापुर को उसके कार्यालय मे रंगे हाथ पकड़ा गया है। आरोपी के विरूद्ध धारा-7(क), 12 भ्र0नि0अधि0 1988 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर उनके विरुद्ध अग्रिम वैधानिक कार्यवाही कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

रोड सेफ्टी सीरीज का पहला मुकाबला

सचिन सहित क्रिकेट के सितारों का छत्तीसगढ़िया अंदाज में स्वागत

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में मंगलवार से रोड सेफ्टी क्रिकेट सीरीज शुरू हो रही है। इससे पहले सोमवार शाम क्रिकेट स्टार रायपुर पहुंचे । रायपुर एयरपोर्ट पर सुरक्षा के किए गए खास इंतजाम के बीच आए खिलाड़ियों को 5 स्टार लग्जरी रिजॉर्ट ले जाया गया। क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर के लिए खास इंतजाम किए गए। इंडिया लीजेंड्स टीम के लिए बस मंगवाई गई थी। मगर सचिन के लिए लग्जरी बीएमडब्ल्यू का इंतजाम किया गया, इसी में बैठकर सचिन रिजॉर्ट पहुंचे।

वन विभाग कार्यालय परिसर से जब्तशुदा वाहन गायब

लापरवाही की हदें पार, उठ रहे गंभीर सवाल

जोहार छत्तीसगढ़-धरमजयगढ़।

भ्रष्टाचार व विभागीय अधिकारियों की लापरवाही बरतने को लेकर सुर्खियों में रहने वाले वन विभाग में एक के बाद एक सनसनीखेज मामले सामने आ रहे हैं। वहीं कार्रवाई को लेकर विभागीय अधिकारियों की कार्यशैली में भी कोई सुधार नहीं आया है।

चोरी होने से पहले

चोरी होने के बाद

जोहार छत्तीसगढ़ विशेष खबर

पहले की तरह या तो इस तरह की अधिकांश मामलों की फाइलें धूल फांकती रह जाती हैं या दिखावे के रूप में साधारण सी कार्रवाई कर दी जाती है। मंगलवार को रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ वन मंडल में दो बड़े मामले सामने आए। पहली घटना धरमजयगढ़ वन मंडल के बाकारूमा रेंज की है जहां जमाबीरा के जंगल में एक हाथी का पुराना शव बरामद हुआ। वहीं दूसरी सनसनीखेज घटना छाल वन परिक्षेत्र में सामने आई है जहां के कार्यालय परिसर में रखी एक जब्त वाहन को अज्ञात चोर उड़ा ले गए। इस गंभीर मामले में अधिकारी की मनमानी व लापरवाही की सीमा पार करने का खुलासा उस वक्त हुआ जब विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस मामले में संबंधित रेंजर द्वारा सिर्फ मौखिक जानकारी दी गई है, लिखित में इस घटना की कोई सूचना नहीं दी गई है। हालांकि उन्होंने संबंधित अधिकारी के हवाले से यह भी बताया कि थाने में सूचना दी गई है। बता दें कि लकड़ी तस्करी का गढ़ माने जाने वाले छाल रेंज अंतर्गत बीते अगस्त माह में बीजा लकड़ियों के लट्ठों से भरे पिकअप वाहन को विभाग द्वारा जब्त किया गया था। दिलचस्प बात यह है कि छाल रेंज के गलिमार क्षेत्र में छापेमारी कर इस वाहन को विभागीय टीम द्वारा देर रात पकड़ा गया था और इस टीम का नेतृत्व खुद छाल रेंजर एम एस मर्सकोले कर रहे थे। तब ली गई एक फ टो में छाल रेंजर अपनी टीम के साथ खड़े नजर आ रहे हैं। इस कार्रवाई के संबंध में कई मीडिया समुहों में प्रमुखता से खबर भी प्रकाशित हुआ। जिसके बाद विभाग द्वारा जब्त वाहन को राजसात किये जाने की कार्यवाही की जा रही थी। हालांकि विश्वस्त सूत्रों के मुताबिक इस वाहन को राजसात किये जाने की फाइल अब तक रेंज स्तर पर ही लटकी हुई है। इस बीच अज्ञात लोगों ने कार्यालय परिसर के भीतर से जब्त पिकअप वाहन को पार कर दिया। बता दें कि चोरों ने दबंगई के साथ विभागीय सुरक्षा व्यवस्था को धता बताते हुए कार्यालय के मेन गेट से वाहन को निकाल ले गए। जानकारी के अनुसार जिसके बाद इस मामले में कई संदिग्धों को कस्टडी में लेते हुए उनकी जमकर खातिरदारी की गई लेकिन विभाग के हाथ कुछ नहीं लगा। करीब आठ से दस दिन पहले हुई इस वारदात की जानकारी अब तक विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को नहीं देना, पुलिस को जानकारी दिए जाने के बाद भी कोई एफ आईआर दर्ज नहीं होना यह बताता है कि मामले को दबाने के लिए संगठित तौर पर प्रयास किया गया। तो अब बात सुरक्षा व्यवस्था की करें तो यह सवाल लाजमी है कि क्या कार्यालय परिसर की सुरक्षा व्यवस्था भगवान भरोसे है। ऐसा इसलिए कि जब्त वाहन के सामने के दोनों टायर व बैटरी निकाल लिया गया था तो चोरों ने कैसे इतनी आसानी से उस गाड़ी को परिसर से निकाल लिया। इतनी बड़ी घटना की जानकारी सिर्फ मौखिक रूप से अधिकारी को देना न सिर्फ अधिकारी के हद दर्जे की लापरवाही बल्कि उनके विभागीय कर्तव्यों के निर्वहन में घोर अनियमितता को भी दर्शाता है। सवाल वरिष्ठ अधिकारी पर भी खड़े होते हैं क्योंकि जब उन्हें इस बात की मौखिक रूप से जानकारी प्राप्त हुई तो उन्होंने अपने स्तर पर कोई कार्रवाई नहीं की बल्कि लिखित शिकायत का इंतजार करते रहे। इस पूरे मामले में धरमजयगढ़ एसडीओ बाल गोविंद साहू ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि इस मामले की मौखिक जानकारी प्राप्त हुई है। संभवत: संबंधित अधिकारी के द्वारा थाने में भी सूचना दी गई है। आगे इस मामले में आवश्यक कार्रवाई की जायेगी। कार्रवाई किस पर की जाएगी का सवाल फि लहाल अनुत्तरित है। क्योंकि चोर अज्ञात हैं, गाड़ी गायब है। अब कार्रवाई के लिए बच गए विभाग के जिम्मेदार तो विभागीय जांच शुरू होने से पहले ही जब इस मामले को यथासंभव दबाने का सामुहिक प्रयास किया गया तो आगे इस मामले की जांच में वरिष्ठ अधिकारियों की कार्यशैली क्या होती है यह देखना काफ ी दिलचस्प होगा।

हसदेव के जंगल में कटाई शुरू

खदान का विरोध कर रहे ग्रामीणों को पुलिस ने गिरफ्तार किया, कलेक्टर बोले- 45 हेक्टेयर के पेड़ कटेंगे

रायपुर/सरगुजा। दशकों से चले रहे विरोध के बावजूद छत्तीसगढ़ में हसदेव के जंगलों पर आरी चल गई। वन विभाग, प्रशासन और कंपनी ने मंगलवार सुबह 5-6 बजे पेड़ों की कटाई शुरू करा दिया है। विरोध कर रहे ग्रामीणों को जबरन पकड़कर पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात है। किसी को कटाई वाले क्षेत्रों में नहीं जाने दिया जा रहा है। बताया जा रहा है कि पेड़ों की यह कटाई पेण्ड्रामार जंगल के इलाके में हो रही है। यहां बासेन से बंबारू तक 45 हेक्टेयर के घने जंगल में पेड़ काटे जाने हैं। यह कटाई परसा ईस्ट केते बासन खदान के दूसरे फेज के लिए हो रही है। खदान के इस विस्तार से सरगुजा जिले का घाटबर्रा गांव उजड़ जाएगा। वहीं एक हजार 138 हेक्टेयर का जंगल भी उजाड़ा जाना है। इस क्षेत्र में परसा खदान के बाद इस विस्तार का ही सबसे अधिक विरोध था। ग्रामीणों के मुताबिक पुलिस ने मंगलवार को सुबह होने से पहले ही खदान के विरोध में आंदोलन कर रहे 20 से अधिक आदिवासी ग्रामीणों को गिरफ्तार कर लिया।

प्रशासन का कहना, कटाई करने जाते हैं तो पीकर आ जाते हैं

सरगुजा कलेक्टर ने ग्रामीणों की गिरफ्तारी के औचित्य पर पूछे गये सवाल पर कहा, जब भी वहां सरकारी काम होता है तो लोग तीर-धनुष लेकर आ जाते हैं। कुछ लोग पीकर आ जाते हैं। जबरन विरोध करते हैं। उनको दूर रखने के लिए कुछ लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

खदान के विस्तार में घाटबर्रा गांव के उजड़ने के सवाल पर कलेक्टर कुंदन कुमार का कहना था, गांव को तो छू भी नहीं रहे हैं। अभी 45 हेक्टेयर का जंगल काट रहे हैं। उसके बाद 1100 हेक्टेयर का एक और जंगल काटा जाएगा। गांव का नंबर तो तीन साल बाद आना है। तब देखा जाएगा कि वे मुआवजा लेकर विस्थापित होने को तैयार हैं या नहीं। अभी विरोध करना ठीक नहीं है?

एम्स के नर्सिंग स्टाफ से भरी बस पलटी:1 की मौत,14 घायल

रायपुर से जगदलपुर घूमने आ रहे थे, ड्राइवर को झपकी आने से हादसा

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ में रायपुर-जगदलपुर नेशनल हाईवे-30 पर भीषण सड़क हादसा हुआ है। रायपुर एम्स के नर्सिंग स्टाफ से भरी बस सड़क किनारे खेत में पलट गई है। इस हादसे में एक की मौत हो गई है, जबकि करीब 14 लोग घायल बताए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि, ड्राइवर को झपकी आने की वजह से हादसा हुआ है। मामला जिले के भानपुरी थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, रायपुर एम्स के 15 से ज्यादा डॉक्टर और मेडिकल स्टाफ बस्तर के जगदलपुर घूमने आ रहे थे। वे सभी एक निजी कंपनी की मिनी बस में सवार थे। मंगलवार की सुबह करीब 7 से 8 बजे के बीच भानपुरी इलाके के जुगानी के पास ड्राइवर को झपकी आ गई। जिससे बस अनियंत्रित होकर पहले सड़क किनारे स्थित बिजली के पोल से टकराई, फिर खेत में पलट गई। हादसे में इस टीम के एक सदस्य ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। करीब 14 लोग घायल बताए जा रहे हैं। एम्स ने भी ट्वीट कर हादसे की पुष्टि कर जानकारी साझा दी है। सहायक नर्सिंग सुपरिटेंडेंट सुमेश (35) की मौत हो गई है। दो नर्सिंग ऑफिसर को CHC भानुपरी में भर्ती कराया गया है। 12 लोगों का जगदलपुर मेडिकल अस्पताल में इलाज चल रहा है। इनमें से स्टाफ की फैमिली में शामिल श्रीलक्ष्मी (28) और रोहिणी सुरेश का भी उपचार हो रहा है। जिनकी हालत खतरे से बाहर है।

घायलों का डीमरापाल मेडिकल कॉलेज में इलाज जारी

इस मार्ग से गुजर रहे राहगीरों ने हादसे की सूचना फौरन भानपुरी थाना के जवानों और एंबुलेंस 108 को दी। मौके पर जवान और एंबुलेंस कर्मी पहुंचे। जिसके बाद सभी घायलों को डीमरापाल मेडिकल कॉलेज लाया गया है। यहां सभी का उपचार जारी है। हालांकि, जिसकी मौत हुई है वह डॉक्टर है या अन्य कोई मेडिकल स्टाफ, फिलहाल अभी यह स्पष्ट नहीं है। नगर पुलिस अधीक्षक हेमसागर सिदार ने बताया कि, सभी घायलों से उनके नाम और पता की जानकारी ली जा रही है।

पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल और IRCTC के बीच हुआ एमओयू

रायपुर। विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर रायपुर में आयोजित टूरिज्म कान्क्लेव के अवसर पर मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की उपस्थिति में छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल और IRCTC के बीच एक एमओयू पर हस्ताक्षर किया गया। छत्तीसगढ़ के पर्यटन को तेजी से बढ़ाने के लिये मुख्यमंत्री की उपस्थिति में यह एमओयू साइन किया गया है । एमओयू के अंतर्गत IRCTC अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म के माध्यम से छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थानों का प्रचार- प्रसार करेगा जिससे भारत के सभी राज्यों के पर्यटक छत्तीसगढ़ की तरफ आकर्षित होंगे।

विदेशी शराब

सीएम भूपेश बघेल का बड़ा बयान, कहा-ये यहां के लोगों को प्रताड़ित कर रहे

सेंट्रल एजेंसियों ने बेवजह परेशान किया तो एक्शन होगा

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने केंद्रीय जांच एजेंसियों को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा, यहां जिन लोगों को आईटी, ईडी, डीआरआई के लोग बुला रहे हैं उन्हें धमकी-चमकी और प्रताड़ित करने का काम कर रहे हैं।

दूसरे प्रकार की बातें भी सुनाई दे रही हैं। ये उचित नहीं है। उन्होंने कहा, अगर छत्तीसगढ़ सरकार को शिकायत मिलती है तो निश्चित रूप से एजेंसियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

रायपुर में प्रेस से चर्चा में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, कल जब मैं अग्रसेन जयंती के कार्यक्रम में था तो वहां मंच के माध्यम से कहा गया। मुझे भी जानकारी मिल रही थी कि जिन लोगों को आईटी, ईडी, डीआरआई के लोग बुला रहे हैं उन्हें धमकी-चमकी और प्रताड़ित करने का काम कर रहे हैं। दूसरे प्रकार की बातें भी सुनाई दे रही हैं। ये उचित नहीं है।

सेंट्रल एजेंसी आए उनका स्वागत है। उन्हें बनाया ही इसलिए गया है कि कहीं गलत हो रहा हो तो उसपर कार्रवाई करें। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि जो अधिकारी आए वह यहां के लोगों को धमकाये-चमकाए। वे व्यापार कर रहे हैं, उद्योग चला रहे हैं तो यह अपराध नहीं है। उनसे अपराधियों जैसा व्यवहार करना बिल्कुल गलत बात है। अगर छत्तीसगढ़ सरकार को शिकायत मिलती है तो निश्चित रूप से उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

ED की कार्यशैली को रिमोट संचालित बताया

मुख्यमंत्री ने कहा, सेंट्रल एजेंसियां अपने उद्देश्यों से भटक चुकी हैं। उनके अफसरों ने भारत के संविधान की जो शपथ ली है उसका पालन तो वे कर ही नहीं रहे हैं। हमने यहां कहा कि चिटफंड कंपनियों ने छह-साढे हजार करोड़ रुपए लूटे हैं। कहीं न कहीं उसमें मनी लांड्रिंग हुआ है। उसमें क्यों नहीं कर रहे हैं कार्रवाई। यहां तो लोगों का पैसा गया है। आप उसमें कार्रवाई नहीं करोगे। जो ब्रांड एंबेसडर बाहर घूम रहे हैं उनसे पूछताछ भी नहीं करोगे। आप की कार्यशैली ऐसी है कि किसी के रिमोट से आप चल रहे हैं। यह प्रजातंत्र के लिए कत्तई उचित नहीं है।

भिलाई में व्यापारियों ने की थी शिकायत

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सोमवार को भिलाई के सेक्टर-6 स्थित अग्रसेन भवन में आयोजित अग्रसेन महाराज के जयंती समारोह में शामिल हुए थे। यहां समाज के कुछ व्यापारियों ने मंच पर ही कहा कि केंद्रीय एजेंसियां उनको बेवजह परेशान कर रही हैं। कभी भी उन्हें बुलाकर डराया जाता है। बाद में अपने भाषण में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, केंद्र सरकार अपनी एजेंसियों के माध्यम से डर का माहौल बना रही है। अगर केंद्रीय एजेंसियां किसी को बेवजह परेशान करती हैं और किसी व्यापारी ने इसकी शिकायत थाने में कर दी तो पुलिस एक्शन लेगी।

मरकाम के बंगले में पहले भाजपाइयों का स्वागत फिर धक्कामुक्की

रायपुर। छत्तीसगढ़ में चुनाव नजदीक आते ही चुनौतियों का माहौल गर्म है। दोनों प्रमुख राजनीतिक दल एक-दूसरे को चुनौती दे रहे हैं। ऐसी ही एक दिन में 50 किलोमीटर की चुनौती पूरा करने भाजपा के तीन कार्यकर्ता राजनांदगांव से पैदल चलकर रायपुर पहुंच गए। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका छाछ पिलाकर स्वागत किया। उसके बाद भाजपा के नेता मोहन मरकाम से मिलने की जिद लेकर नारेबाजी करने लगे। इससे विवाद हो गया। धक्कामुक्की के बाद प्रदर्शनकारियों को वापस लौटना पड़ा। राजनांदगांव से भाजपा के तीन जिला स्तरीय पदाधिकारी रोहित मलकानी, समीर श्रीवास्तव और खोमन मेश्राम सोमवार शाम रायपुर पहुंचे। यह दूरी करीब 65-70 किलोमीटर है। रायपुर में भाजपा के शहर जिला अध्यक्ष श्रीचंद सुंदरानी, पार्षद मृत्युंजय दुबे, भाजयुमो के संजू नारायण सिंह जैसे नेता उनके साथ हो लिए। वे लोग बस्तर बाड़ा स्थित कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम के सरकारी बंगले पर पहुंचे। वहां पहले से ही यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुबोध हरितवाल, प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता विकास तिवारी सहित कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद थे। उन लोगों ने भाजपा कार्यकर्ताओं का स्वागत किया। पैदल चलकर रायपुर पहुंचे कार्यकर्ताओं ने कहा, वे लोग कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम को ज्ञापन सौंपना चाहते हैं। कांग्रेस पदाधिकारियों ने उन्हें बताया मोहन मरकाम तो कोण्डागांव से दंतेवाड़ा की पदयात्रा पर हैं। ज्ञापन उन्हें सौंप दें वे उनतक पहुंचा देंगे। उसके बाद भाजपा के स्थानीय पदाधिकारी भड़क गए। वहां नारेबाजी शुरू हो गई। वहां एक मेज पर रखा केला और छाछ आदि को फेंक दिया गया। भाजपा के नेता मोहन मरकाम को बुलाने की मांग करने लगे।

लोकतंत्र की विसंगतियों की कोख से जन्मा है माओवाद, यह केवल गोलियों से मरने वाला नहीं

गृहमंत्रालय का दावा है कि उसकी जीरो टॉलरेंस की नीति और कुशल रणनीति के चलते देश में वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ लड़ाई अंतिम चरण में पहुंच गई है। वर्ष 2010 में देश के 96 जिले नक्सल हिंसा से प्रभावित थे और अब उग्र वामपंथ 36 जिलों तक सिमट कर रह गया है।

यह भी दावा है कि 2018 के मुकाबले 2022 में वामपंथी उग्रवाद संबंधी हिंसा की घटनाओं में 39 प्रतिशत और सुरक्षा बलों के बलिदानों की संख्या में 26 प्रतिशत की कमी आई है। इसी तरह नागरिक हताहतों की संख्या में 44 प्रतिशत की कमी आई है। नक्सल हिंसा की शिकायतों वाले जिलों की संख्या में 24 प्रतिशत की कमी आई है। सरकार का यह दावा निश्चित रूप से सुखद है, क्योंकि लोकतंत्र में सत्ता परिवर्तन का रास्ता बुलेट (गोली) नहीं बल्कि बैलेट (वोट) है। वैसे भी इस देश को अहिंसा के हथियार से ही आजादी मिली थी। भारत में मुख्यधारा का वामपंथ भी बुलेट के बजाय बैलेट में आस्था प्रकट कर लोकतांत्रिक धारा में स्वयं को समाहित कर चुका है। यह भारत का वामपंथ ही है जिसने केरल में सन् 1957 में दुनिया की पहली बैलेट से चुनी गयी कम्युनिस्ट सरकार बनाई थी।

माओवाद के खिलाफ लड़ाई अंतिम दौर में बताना जल्दबाजी

सरकारी दावों पर न भी जाए तो भी देश में माओवादी हिंसा में कमी जरूर नजर आ रही है। माओवादियों के प्रभाव क्षेत्र के सिमट जाने का दावा भी सही हो सकता है। लेकिन माओवादियों के खिलाफ लड़ाई को अंतिम दौर में बताना अभी जल्दबाजी ही होगी। जिन जिलों से माओवाद का सफाया किया जा रहा है वहां दोबारा माओवाद के नहीं लौटने की गारंटी कोई नहीं दे सकता।

दरअसल भारत सरकार अपनी सफलता को नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में किए गए विकास के बजाय हिंसक हमलों की संख्या के आधार पर माप रही है। जबकि यह देखा जाता है कि पुलिस द्वारा

माओवाद सामाजिक असंतोष की उपज है और यही असन्तोष उनकी खुराक, शक्ति और प्रेरणा भी है। सच्चाई यह है कि हम माओवादियों को तो मार सकते हैं मगर माओवाद को नहीं मार सकते। आदमी को गोली से मारा जा सकता है मगर विचार को बंदूक की गोली से नहीं मारा जा सकता।

किसी क्षेत्र पर कब्जा करने के बाद भी, प्रशासन उस क्षेत्र के लोगों को आवश्यक सेवाएं प्रदान करने में विफल रहता है और फिर उग्रवाद के दोबारा पांव पसारने की पूरी आशंका रहती है।

माओवाद को मारना कठिन

सच्चाई यह है कि हम माओवादियों को तो मार सकते हैं मगर माओवाद को नहीं मार सकते। आदमी को गोली से मारा जा सकता है मगर विचार को बंदूक की गोली से नहीं मारा जा सकता। आज तक ऐसी बन्दूक नहीं बनी जो कि सीधे आदमी के दिमाग में घुस कर किसी विचार को मार सके। इस समस्या की जड़ ही इसका समाधान भी है।

माओवाद के पीछे के कारण

नक्सलवाद, कानून व्यवस्था के लिए समस्या अवश्य है। इसके पीछे क्षेत्रीय असंतुलन के कारण को भी नकारा नहीं जा सकता। इन दोनों चुनौतियों से तो कोशिश करके निपटा जा सकता है और सरकार इन दोनों मोर्चों पर काम कर भी रही है। माओवाद को कुचलने के लिए सुरक्षाबलों को अत्याधुनिक बनाया जा रहा है। आर्थिक पिछड़ेपन को दूर करने के लिए 2009 में एकीकृत कार्य योजना के तहत कर्नाटक, छत्तीसगढ़, उड़ीसा, आन्ध्र प्रदेश, महाराष्ट्र झारखण्ड, बिहार, उत्तर प्रदेश एवं पश्चिम बंगाल में अभियान चलाया गया था। इस अभियान में माओवादियों के खिलाफ केवल हथियारों का सहारा नहीं लिया गया बल्कि प्रभावित जिलों में ग्रामीण आर्थिकी को मजबूत करने तथा पिछड़े और आदिवासी क्षत्रों में बुनियादी सुविधाओं के विकास पर भी जोर दिया गया था। वह योजना भी पूरी तरह सफल तो नहीं रही मगर हम कह सकते हैं कि नक्सलियों की बंदूकें कुछ सीमा तक और कुछ समय तक खामोश अवश्य रहीं। लेकिन समस्या का समाधान अब तक नहीं हुआ।

लोकतंत्र की विसंगतियों की कोख से जन्मा है माओवाद

दरअसल माओवाद हमारे लोकतंत्र की विसंगतियों की कोख से ही जन्मा हुआ है और हमारा ध्यान विसंगतियों की ओर कम और बंदूक पर ज्यादा है। नक्सलवाद के लिए समाज में व्याप्त गैर-बराबरी, अन्याय, शोषण और गरीबी जैसे कारण असली जिम्मेदार हैं।

संविधान समानता की गारंटी तो अवश्य ही देता है मगर वह समानता है कहां? सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक क्षेत्र में तरक्की के अवसर समान रूप से हर किसी को उपलब्ध नहीं हैं। भ्रष्टाचार, भाई भतीजावाद और अगड़े लोगों द्वारा तरक्की के सारे अवसर आम आदमी तक पहुंचने से पहले ही लपक लिए जाते हैं। लोगों को समय पर न्याय नहीं मिल रहा है। न्याय के महंगे होते जाने से वह आम आदमी से दूर होता जा रहा है। हर कोई न्याय के लिए हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट तक नहीं जा सकता और ना ही किसी महंगे वकील से न्याय पाने के लिए पैरवी करा सकता है।

जयसिंह रावत

संपादकीय

पुरानी पेंशन का चारा

पुरानी पेंशन योजना की समाप्ति का फैसला नव-उदारवादी नीतियों के कारण हुआ, जिन्हें देश ने लगभग आम सहमति के साथ स्वीकार कर लिया था। उन नीतियों के जारी रहते उनके एक स्वाभाविक को पलटना एक विसंगति ही माना जाएगा। राज्यों में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले अब विभिन्न विपक्षी दलों की तरफ से सरकारी कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना वापस लाने के वादे की झड़ी लग गई है। संभवत: इस वादे के पीछे यह धारणा है कि चुनाव नतीजों को प्रभावित करने में सरकारी कर्मचारी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। फिर यह भी माना जाता है कि अगर एक कर्मचारी खुश होगा, तो उससे जुड़े कई परिजनों का वोट संबंधित पार्टी को मिल सकता है। लेकिन इसी वर्ष उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के विधानसभा चुनावों में यह वादा समाजवादी पार्टी और कांग्रेस को जीत दिलाने में नाकाम रहा। फिर भी राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सरकारों ने पुरानी पेंशन योजना बहाल कर दी है और अब गुजरात में ऐसा ही वादा कांग्रेस और आम आदमी पार्टी दोनों ने किया है। लेकिन वहां भी इसके प्रभावी होने की संभावनाएं कम ही हैं। इसलिए कि तमाम मतदाताओं के बीच सरकार कर्मचारियों की संख्या न्यून होती है, बल्कि खुद सरकारी विभागों में अब लगभग एक चौथाई अस्थायी कर्मचारी हैं, जिन्हें कोई सामाजिक सुरक्षा नहीं मिलती। वैसे भी बाकी समाज ऐसी सुरक्षाओं से वंचित रहे, जबकि सरकारी नौकरी पा जाने वाले कुछ खुशकिस्मत लोगों की रिटायर्ड जिंदगी निश्चिंत होकर गुजरे, इस बात का कोई तर्क नहीं हो सकता।

बारिश में टापू बनते शहर- जलवायु परिवर्तन और शहरी नियोजन की अनदेखी से बढ़ता संकट

दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में पानी से भरी सड़कें, रेंगती गाड़ियों, टूटे वाहनों और घुटनों तक गहरे पानी में अपने दोपहिया वाहनों के साथ चलने वाले नागरिक जैसे परिचित दृश्यों की वापसी के लिए भारी बारिश के सिर्फ एक दिन का समय लगा। बिजली कटौती, ढहती दीवारों और बिजली के झटके के कारण लोगों की मौत भी हुई। दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में इस तरह के दृश्य नए नहीं हैं।

हर बार बारिश के दौरान ऐसे दृश्य दिखाई देते हैं। चूंकि जलवायु परिवर्तन के कारण मानसून के स्वरूप में भी परिवर्तन आया है और बारिश कई बार देर तक और बहुत अधिक होती है, ऐसे में, लोगों को ज्यादा परेशानियों का सामना करना पड़ता है। मानसून से होने वाली परेशानियों के दृश्य पूरे देश में एक जैसे दिखाई देते हैं। उदाहरण के लिए, दो सप्ताह पहले, बंगलुरु की 126 झीलें उफान पर थीं।

इससे वहां महादेवपुरा, बेलंदूर, बोम्मनहल्ली, मुन्नेकोलालु आदि इलाकों में जल जमाव की स्थिति थी। आलम यह था कि 2,000 से अधिक घरों में बाढ़ का पानी आ गया था और करीब 10,000 घर अलग-थलग पड़ गए थे। पॉश इलाकों सहित कई जगहों में लोगों को पेयजल और बिजली की समस्या का सामना करना पड़ा। हर तरफ ऐसा मंजर था, जैसे निजी संपत्ति को बट्टे खाते में डाल दिया

क्या भोजन के लिए 10 मिनट की डिलीवरी के बजाय काम करने के लिए 10 मिनट की पैदल दूरी बेहतर नहीं होगी? प्रत्येक भारतीय शहर में आदर्श रूप से एक मास्टर प्लान- यानी एक रणनीतिक शहरी नियोजन दस्तावेज होना चाहिए, जिसे एक-दो दशक के अंतराल पर नियमित रूप से अद्यतन (अप-टू-डेट) किया जाए।

गया हो।

इस तरह की दुखद स्थिति दरअसल शहरी नियोजन की कमियों की तरफ ही इशारा करती है। आमतौर पर हमारे शहर नियमित रूप से शहरी नियोजन के प्रमुख तत्वों की उपेक्षा करते हैं। नालियों की बेहतर निकासी क्षमता की कमी और झीलों व नदियों पर ध्यान न देने के साथ शहरी स्थानों को कंकरीट में बदलने पर जोर हर तरफ दिखाई देता है। कुल मिलाकर, भारतीय शहर शहरी नियोजन पर सीमित क्रियान्वयन के संकट से ग्रस्त हैं। सेंटर फॉर साइंस ऐंड एनवायर्नमेंट के अनुसार, बंगलुरु जैसे शहर ने ईज ऑफ लिविंग इंडेक्स, 2020 में क्वालिटी ऑफ लाइफ मेट्रिक के तहत सौ में से 55.67 स्कोर किया। दिल्ली जैसा महानगर राजधानी होने के बावजूद इंडेक्स में 57.56 तक पहुंचा, जबकि भुवनेश्वर जैसे शहर का स्कोर सिर्फ 11.57 था। आदर्श दुनिया में इस तरह की स्थिति अस्वीकार्य है। गौरतलब है कि पश्चिम में वर्ष 1898 में सर एबेनेजर हॉवर्ड द्वारा शुरू किए गए गार्डन सिटी आंदोलन ने शहरों के केंद्र में काम के माहौल को विकेंद्रीकृत करने की मांग की थी। उस आंदोलन ने कारखाने के श्रमिकों के लिए स्वस्थ रहने की जगह प्रदान करने पर तार्किक जोर दिया था। नतीजतन, शहरों को योजनाबद्ध तरीके से डिजाइन किया गया, जिसमें आत्मनिर्भर समुदायों के साथ पार्क और निवास, औद्योगिक कार्य और कृषि के लिए अलग-अलग क्षेत्र शामिल थे। इस तरह के आंदोलन इस विचार से प्रभावित थे कि फैक्टरी में काम करने वाले लोगों का जीवन स्तर बेहतर हो। आदर्श गार्डन सिटी की योजना खासतौर पर खुली जगहों, सार्वजनिक पार्कों और बुलेवार्ड्स (मुख्य पथ) के साथ बनाई गई थी। अमेरिका में गार्डन सिटी पड़ोस की अवधारणा के साथ विकसित हुई, जहां एक स्थानीय स्कूल या सामुदायिक केंद्र के आसपास आवासीय घरों और सड़कों का आयोजन किया गया, जिसमें यातायात का दबाव कम करने और सुरक्षित सड़कों की सुविधा प्रदान करने पर जोर दिया गया। प्रदूषण और भीड़-भाड़ पर नियंत्रण के साथ-साथ जैव विविधता को बनाए रखने के लिए लंदन में शहर के चारों ओर एक महानगरीय हरित पट्टी है, जो 5,13, 860 हेक्टेयर क्षेत्र को कवर करती है।

वरुण गांधी

मिला जुला

लखनपुर और चिरको को मिली लाखों के विकास कार्यों की सौगात

संसदीय सचिव ने किया विकास कार्यों के लिये भूमिपूजन

जोहार छत्तीसगढ़- महासमुन्द।

संसदीय सचिव व विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर ने ग्राम पंचायत लखनपुर और चिरको को लाखों के विकास कार्यों की सौगात देते हुए विकास कार्यों का लोकार्पण.भूमिपूजन किया। सोमवार को ग्राम पंचायत लखनपुर व चिरको में विकास कार्यों का भूमिपूजन व लोकार्पण कार्यक्रम आयोजित था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संसदीय सचिव व विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर थे। अध्यक्षता जिला पंचायत उपाध्यक्ष लक्ष्मण पटेल ने की। विशेष अतिथि के रूप में जनपद अध्यक्ष यतेंद्र साहू, मंडी अध्यक्ष हीरा बंजारे, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ढेलू निषाद, खिलावन साहू, दारा साहू, जनपद सदस्य आरीन चंद्राकर, रामेश्वर गब्बर साहू, हेमंत डडसेना, सीटू सलूजा मौजूद थे। पूजा अर्चना पश्चात मुख्य अतिथि संसदीय सचिव चंद्राकर ने ग्राम पंचायत लखनपुर में प्राथमिक शाला में अतिरिक्त कक्ष निर्माण, निर्मलकर समाज के सामुदायिक भवन निर्माण, सीसी रोड का निर्माण का भूमिपूजन व आंगनबाड़ी भवन व मुक्तिधाम निर्माण का लोकार्पण तथा ग्राम पंचायत चिरको में सामुदायिक भवन निर्माण, सीसी

रोड निर्माण व अतिरिक्त कक्ष निर्माण का भूमिपूजन किया।विकास कार्यों की सौगात मिलने पर संसदीय सचिव चंद्राकर ने ग्रामवासियों को बधाई देते हुए कहा कि गांवों में प्राथमिकता के साथ विकास कार्य कराए जा रहे हैं। जब से प्रदेश में भूपेश सरकार सत्ता में तब से शहर के साथ ही गांवों के विकास की ओर सरकार का ध्यान फोकस है। सरकार के चार सालों में क्षेत्र का चहुंमुखी विकास हुआ है। संसदीय सचिव चंद्राकर ने किसान हितैषी भूपेश सरकार की तारीफ करते हुए कहा कि आज फिर से लोग का झुकाव खेती किसानी की ओर हो रहा है। इसके पीछे भूपेश सरकार की जनकल्याणकारी नीति हैं। छत्तीसगढ़ सरकार की गांव, गरीब, किसान, व्यापार और उद्योग हितैषी नीतियों से समाज के सभी वर्गों में खुशहाली है। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सभी वर्गों को मिल रहा है। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से रमन सिंग ठाकुर, आलोक नायक, अतुल गुप्ता, सोनू राज, राजा गंभीर, गंगाराम पटेल, रोशन पटेल, पतिराम बघेल, हरिराम पटेल, किशन कोसरिया, लमकेश्वर साहू, कमलेश चंद्राकर, मायाराम टंडन, प्रीतम दीवान, जगत देवदास सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन मौजूद थे।

शासकीय पीजी कालेज बेमेतरा के युवा मतदाताओं को किया जागरूक

मतदाता जागरूकता हेतु विशेष शिविर आयोजित

जोहार छत्तीसगढ़- बेमेतरा।

शासकीय पं. जवाहर लाल नेहरू कला, वाणिज्य एवं विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय बेमेतरा में आज मंगलवार को मतदाता जागरूकता हेतु विशेष शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें महाविद्यालय में अध्ययनरत युवा मतदाताओं को आधार संग्रह कार्यक्रम एवं पुनरीक्षण कार्यक्रम के संबंध में जानकारी दी गई तथा वोटर हेल्पलाईन एप्प डाउनलोड कर फार्म 6 भरने के लिए प्रेरित किया गया। जिला निर्वाचन कार्यालय बेमेतरा द्वारा जिला निर्वाचन अधिकारी जितेन्द्र कुमार शुक्ला के निर्देशन एवं जिला स्वीप नोडल लीना कमलेश मण्डावी के मार्गदर्शन में शासकीय पीजी महाविद्यालय बेमेतरा के सभागार में आयोजित विशेष शिविर में भारत निर्वाचन आयोग

द्वारा मतदाता सूची में पंजीयन हेतु चार अर्हता तिथि 01 जनवरी, 01 अप्रैल, 01 जुलाई एवं 01 अक्टूबर निर्धारित किये जाने तथा आधार को मतदाता सूची से लिंक करने के संबंध में छात्र-छात्राओं को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। निर्वाचन पर्यवेक्षक संतोश नामदेव ने बाताया कि 01 जनवरी 2023 की स्थिति में 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत निर्वाचक नामावली में नाम दर्ज कराने के लिए फार्म 6 भरकर आवेदन वोटर हेल्पलाईन एप्प के माध्यम से कर सकते है साथ ही 01 अप्रैल, 01 जुलाई एवं 01 अक्टूबर 2023 की स्थिति में 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले विद्यार्थी भी पंजीयन हेतु अग्रिम आवेदन कर सकेंगे। इन मतदाताओं का नाम 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने के उपरांत मतदाता सूची में दर्ज करने की कार्यवाही की जाएगी तथा वे आगामी विधानसभा निर्वाचन में मतदान के लिए पात्र होंगे। आयोग द्वारा यह अवसर पहली बार प्रदान किया जा रहा है। मास्टर ट्रेनर जेके बारले ने भी सभी छात्र-छात्राओं को पुनरीक्षण कार्यक्रम की जानकारी देते हुए आनलाईन सुविधा का लाभ उठाने और मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए प्रेरित किया। जिला निर्वाचन कार्यालय के डाटा एण्ट्री आपरेटर लवकुश चन्द्राकर द्वारा वोटर हेल्पलाईन एप्प डाउनलोड करने एवं फार्म भरने की तकनीकी जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर नोडल प्रोफेसर डॉ.अंजली कश्यप, कैम्पस एम्बेसडर बादल पाटिल, मेघा देवांगन सहित निर्वाचन कार्यालय से धनेष लहरे, जयप्रकाश साहू उपस्थित थे।

शास्त्री की प्रतिमा नये स्थान पर स्थापित का नपाध्यक्ष ने लिया जायजा

जोहार छत्तीसगढ़-महासंमुन्द।

शास्त्री चौक स्थित लाल बहादुर शास्त्री का प्रतिमा स्थल परिवर्तन किया जा रहा है। प्रतिमा को नये स्थान पर स्थापित करने की तैयारी का नगर पालिका अध्यक्ष राशि त्रिभुवन महिलांग ने जायजा लिया। नगर पालिका अध्यक्ष महिलांग ने मंगलवार को शास्त्री चौक पर स्थित लाल बहादुर शास्त्री की प्रतिमा को नये स्थान पर शीफ्ट किया जा रहा। इस दौरान वहां के रहवासियों ने बताया किए बीच सड़क पर बनी चबूतरा के कारण आये दिन दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। लोगों ने बताया किए भलेसर मार्ग पर भारी वाहनों का आवागमन होता रहता है। चबूतरे के कारण भारी वाहनों को मोड़ने में भारी परेशानी होती है। जिस पर नपाध्यक्ष महिलांग ने वार्ड के पार्षद निखिलकांत साहू से चर्चा की और बीच सड़क से चबूतरा हटाने को कहा गया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष व सभापति कृष्ण कुमार चंद्राकर, पार्षद मनीष शर्मा, गौरव चंद्राकर, लता कैलाश चंद्राकर, एरिश अनवर, महेन्द्र सिका, सीएमओ आशीष तिवारी सहित कर्मचारी गण उपस्थित थे।

नेवारी में दो मवेशी मृत तथा को कोसमंदा के काजी हाउस का मवेशी उपचार के दौरान सुदृढ़ हुआ

नोडलों का गौठन में नहीं कोई ध्यानाकर्षण * पंचायत से लेकर जिले तक पल्ला झाड़ने में लगे

जोहार छत्तीसगढ़- बलौदाबाजार।

बलौदा बाजार भाटापारा जिले के क्षेत्रों में देखा जा रहा है कि लगातार राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही महत्वाकांक्षी योजना नरुवा गरुवा घुरवा बारी गौठानों की योजना फिसड्डी साबित हो रही है और इस योजना में पता नहीं और कितना समय लग जाएगा कि अधिकारी कर्मचारी और कई विभाग के आला अधिकारी इसका कार्य में लगे हुए हैं और इसमें जिला मुख्य कार्यपालन अधिकारी भी मुख्य संरक्षण तथा जिले में शायद अनुविभागीय अधिकारियों को नोडल के रूप में नियुक्त किया गया है मगर देखा जा रहा है कि कई विकासखंडों में सहज ही स्थिति बनी हुई है क्योंकि गौठानों की ओर गौठान अध्यक्ष सरपंच सचिव तथा कोई दूसरे जनप्रतिनिधि से लेकर अधिकारी कर्मचारी गण का ध्यान एकाग्रता से नहीं दिख रहा है दिख तो रहा है मगर कुछ का कुछ ताजा मामला जोहार छत्तीसगढ़ अखबार ने अपने पिछले दिवस के अंत में बताया था कि नेवारी के ग्राम पंचायत में दो मवेशी मरने की कगार पर है जिसमें मुख्य कार्यपालन अधिकारी संजय कवर सिमगा को जानकारी दी गई थी मगर उनके द्वारा कहा गया पशु चिकित्सक को भेजकर उपचार करने हेतु मगर सही समय पर उपचार नहीं मिलने और पशु चिकित्सक का

नहीं आने के कारण 2 मवेशी की गौठान के अंदर ही मौत हो गई और उसे ग्राम पंचायत के लोगों के द्वारा बाहर फेंक दिया गया तथा विकासखंड भाटापारा के ग्राम पंचायत कोसमंडा में भी काजी हाउस में एक मवेशी की मौत होने की कगार पर दिखाई दे रही थी जिसकी सूचना ग्राम पंचायत के मुखिया को दी गई जिस पर तत्काल पशु चिकित्सक को बुलाकर इलाज करवाया गया जिस पर मवेशी की जान बच गई और वहां सुदृढ़ अवस्था में हो गया तथा पिछले दिवस प्रभारी मंत्री उमेश पटेल का बलौदा बाजार आगमन हुआ था जिसमें ग्राम पंचायत पलारी विकासखंड के क्षेत्र ससहा ग्राम पंचायत की भी जानकारी मिली थी जिसमें काजी हाउस में मवेशी सुबह से मरा हुआ पड़ा था जिसे भी तत्काल ग्राम पंचायत के लोगों के द्वारा उसे बाहर फेंक दिया गया इन सभी बातों का ध्यान रखते हुए अधिकारी क्या सोच रखते हैं यह तो अधिकारी ही जाने क्योंकि राज्य सरकार की महत्वकांक्षी योजना जिले में कब तक सुदृढ़ रूप से चल पाएगी यहां तो आगे ही पता चल पाएगी लेकिन अभी भी रोड पर और कई ग्राम पंचायतों के मुख्य मार्गों पर हाईवे रोड पर लावारिस पशु आज भी बैठे हुए घूमते हुए दिखाई पड़ते हैं और अभी तक मवेशियों के लिए शासन के द्वारा कोई उचित व्यवस्था नहीं की गई है जिसके कारण आज इस तरह की विश्मय स्थिति उत्पन्न हो रही हैऔर इस कारण से किसान भी और राहगीर भी परेशान नजर आ रहे हैं और कई बार तो मुख्य मार्गो पर मवेशियों के वजह से ही दुर्घटनाएं भी हो जाती है। लगातार राज्य सरकार द्वारा मवेशी को लेकर और गौठानो को लेकर व्यवस्था बनाने की ओर सोच रहे हैं और लगातार इस पर चर्चा करते हुए आगे कार्य कर रहे हैं कुछ ही दिनों में इस समस्या कभी हल हो जाएगा।

राजीव युवा मितान क्लब से गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ की परिकल्पना हो रही साकार-उद्योग मंत्री कवासी लखमा

सुकमा मिनी स्टेडियम में आयोजित हुआ जिला स्तरीय राजीव युवा मितान सम्मेलन

जोहार छत्तीसगढ़-सुकमा।

मंगलवार को सुकमा जिला मुख्यालय स्थित मिनी स्टेडियम में जिला स्तरीय राजीव युवा मितान क्लब का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में प्रदेश के आबकारी एवं उद्योग मंत्री कवासी लखमा, विधायक चित्रकोट राजमन बेंजाम, बीजापुर विधायक विक्रम मंडावी, सुकमा जिला पंचायत अध्यक्ष हरीश कवासी, बीजापुर जिला पंचायत अध्यक्ष शंकर पोडियामी, सुकमा नगर पालिका अध्यक्ष जगन्नाथ साहू सहित समस्त जिला पंचायत सदस्य, जनपद पंचायत अध्यक्ष एवं अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। उद्योग एवं आबकारी मंत्री कवासी लखमा ने इस अवसर पर कहा कि क्षेत्र के विकास को गति देने के लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने युवाशक्ति पर भरोसा दिखाया है। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं के कारण क्षेत्र में बदलाव दिख रहा है। जहां नई पीढ़ी को सामाजिक जिम्मेदारियां के प्रति जागरूक कर, मुख्यधारा से जोड़कर समाज को बेहतर बनाने की दिशा में सफल प्रयास किया जा रहा है। इन युवा क्लब द्वारा हर छोटी बड़ी क्रिया जो

मंत्री लखमा ने किंदरवाड़ा में सांस्कृतिक भवन के लिए 10 लाख देने की घोषणा

समाज हित में है जैसे वृक्षारोपण, आपदा के समय राहत पहुंचाना, शासकीय योजनाओं से ग्रामीणों को लाभान्वित करने हितग्राहियों का चयन करने, स्वास्थ्य के प्रति जागरुक करने, कुपोषण को दूर करने, जल और पर्यावरण का संरक्षण करने, रोजगारमूलक योजनाओं से युवाओं को जोड़ने, संस्कृति और परंपरा का संरक्षण आदि कार्य इन युवाओं की जिम्मेदारी है। राजीव युवा मितान क्लब के माध्यम से युवाओं को आर्थिक रुप से सहायता मिलेगी, जिससे वे इस कार्य के लिए दूसरे युवाओं को भी आसानी से जोड़ सकते हैं। उन्होंने कहा की शासन द्वारा आदिवासियों के हित में नीतियां बनाई जा रही है। जल जंगल जमीन का पट्टा दिया जा रहा है। ग्रामीण आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने महिलाओं, युवाओं को रोजगार से जोड़ा जा रहा है। पोटक पल्ली जैसे अंदरूनी गांव में बिजली पहुंचाई है।

36 हितग्राहियों को स्वेच्छानुदान राशि की प्रदान

कार्यक्रम में उद्योग मंत्री कवासी लखमा ने सुकमा, गोंगला, बुड़दी, चिंगावरम और निलावरम के कमजोर आर्थिक स्थिति वाले 20 हितग्रहियों को 10-10 हजार रुपए की स्वेच्छानुदान राशि प्रदान की। उन्होंने बताया कि सुकमा जिले के युवकों को रोजगार से जोड़ने के लिए शासन द्वारा बस्तर संभाग में विशेष कनिष्ठ कर्मचारी बोर्ड के माध्यम से विभिन्न पदों पर स्थानीय युवक युवतियों की भर्ती की जा रही है। जिले में शिक्षकों की कमी को देखते हुए जल्द ही शासन स्तर से व्यापम द्वारा और संभाग स्तर से जिले में शिक्षकों की भर्ती की जायेगी। उन्होंने छिंदगढ़ ब्लॉक के ग्राम किंदरवाड़ा में सांस्कृतिक भवन के लिए 10 लाख रुपए देने की घोषणा की। इसके साथ ही किंदरवाडा और कोयाबेकुर के नर्तक दलों को 25 हजार का पारितोषिक प्रदान किया।

युवा साथी, क्षेत्र प्रदेश को नई दिशा देने में सक्षम-बेंजाम

विधायक राजमन बेंजाम ने राजीव युवा मितान क्लब की पृष्ठभूमि और उसके उद्देश्य बताते हुए, विगत दिवसों कोंटा क्षेत्र में आई बाढ़ में राहत कार्य के लिए राजीव युवा मितान क्लब के साथियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि युवा साथी वो पूंजी है। जो किसी क्षेत्र, प्रदेश को दिशा दे सकती हैं। युवाओं को समाज के प्रति जागरूक करते हुए उन्हें सही दिशा देते हुए समाजिक दायित्वों में उनकी भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। युवा मितान क्लब के युवाओं से मरान भूमि में की जा रही कृषि, जिनका पंजीयन अभी तक नहीं हुआ है। ऐसे कृषकों का पंजीयन में सहयोग करने की अपील की। ताकि उन्हें राजीव गांधी किसान न्याय योजना अंतर्गत लाभ मिल सके।

शासन की योजनाओं का प्रचार-प्रसार, गांव क्षेत्र का विकास में अपना सहयोग दे युवा-मंडावी

विधायक विक्रम मंडावी ने कहा कि राजीव युवा मितान क्लब की बदौलत युवाओं की भूमिका शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन में बढ़ी है। उन्होंने कहा की मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के शासन में युवाओं को विभिन्न गतिविधियों से जोड़कर उनका बौद्धिक, आर्थिक और सामाजिक विकास किया जा रहा है। इन क्लब को साल भर में 25-25 हजार की चार किश्त प्रदान की जायेगी। उन्होंने कहा की युवा साथी गांव के विकास के साथ ही शासकीय योजनाओं के प्रचार-प्रसार, शासकीय योजनाओं के लाभ लेने में यदि ग्रामीणों को कोई समस्या हो, तो उसका भी निदान करने में अपना सहयोग प्रदान करें।

रोजगार मूलक गतिविधियों से जोड़कर युवाओं को बनाया जा रहा आत्मनिर्भर-हरीश

जिला पंचायत अध्यक्ष हरीश कवासी ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की नेतृत्व में विभिन्न रोजगार मूलक योजनाओं से जोड़कर ग्रामीण युवाओं, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। राजीव युवा मितान क्लब इसी दिशा में सफल प्रयास है। जिसके माध्यम से गांव के विकास में युवाओं की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। हम सबको चाहिए की अधिक से अधिक युवाओं को प्रेरित कर राजीव युवा मितान क्लब से जोड़े। गांव और युवा मजबूत होगा तब प्रदेश मजबूत होगा और देश मजबूत बनेगा।

एक नजर

गायत्री शक्तिपीठ महासमुंद में मृतआत्माओं की सद्गति के लिये श्राद्ध तर्पण का कार्यक्रम

जोहार छत्तीसगढ़-महासमुन्द।

पितृ पक्ष में मृत आत्माओं की शांति और सद्गति के लिए गायत्री परिवार महासमुंद द्वारा श्राद्ध तर्पण का कार्यक्रम पूरे पक्ष भर प्रतिदिन संचालित किया गया। जिसमें नगर और आसपास के हजारों परिजनों ने उपस्थित होकर अपने-अपने परिवार के दिवंगत आत्माओं को श्राद्ध तर्पण किया। पितृ अमावस्या के दिन अंतिम श्राद्ध तर्पण के लिए लगभग 50 लोगों की उपस्थिति रही। तर्पण पश्चात सभी दिवंगत आत्माओं के नाम से भोजन प्रसाद की व्यवस्था किया गया। भोजन प्रसाद के भंडारा में सभी लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम में हीरा लाल साहू, अमर साहू, जगमोहन साहू, धनवंतरी सिन्हा, मनहरण साहू, परसराम चौहान, शांतूलाल साहू, राजकुमार गुप्ता, रिखी राम साहू, धनीराम साहू, वेदराम एवं अन्य परिजन उपस्थित थे। गायत्री मंदिर के समन्वयक एवं श्राद्ध तर्पण के पुरोहित बोध राम साहू ने बताया कि पितृपक्ष, दिव्य आत्माओं का पर्व है। उनकी शांति और सद्गति के लिए मंत्रोच्चार के साथ तर्पण किया जाता है, जिससे उनको अपनी योनि से मुक्ति मिलती है और उन आत्माओं की कृपा एवं अनुदान परिवार वालों पर बरसता है। दिव्य आत्मा सूक्ष्म रूप में अपने परिवार के लोगो को कष्ट से बचाते हैं। उनका सहयोग करते रहते हैं इसलिए हर व्यक्ति को पूर्वजों के प्रति श्रद्धा भाव रखते हुए उनका सम्मान करना चाहिए। अश्विन नवरात्रि प्रारंभ गायत्री शक्तिपीठ महासमुंद में क्वार नवरात्रि का शुभारंभ 26 सितंबर 2022 को होगा। प्रात: काल 5 बजे से अखंड दीप के समक्ष गायत्री मंत्र जप के साथ नवरात्रि प्रारंभ होगा। गायत्री मंदिर में प्रतिदिन प्रात: से शाम तक अखंड जप का कार्यक्रम आयोजित है। जिसमें कोई भी परिजन आकर अपने सुविधानुसार समय में जप में भाग ले सकते हैं। जप प्रात: 5 बजे से शाम को 7 बजे तक चलेगा। नवरात्रि में प्रतिदिन प्रात: यज्ञ, एवं संस्कार तथा शाम को आरती चालीसा होगी। नवरात्रि पर्व की पूर्णाहुति नवमी के दिन किया जाएगा।

कलेक्टर शर्मा ने केसीसी प्रकरण के निराकरण और वित्तीय जागरूकता पर की बैंक अधिकारियों से चर्चा

डिजिटल फ्रॉड पर लोगों को जागरूक करने प्रशासन के साथ समन्वय कर कैंप करने के निर्देश

जोहार छत्तीसगढ़-कोरिया।

कलेक्टर कुलदीप शर्मा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय पुनरीक्षण समिति डीएलआरसी एवं जिला स्तरीय स्तरीय सलाहकार समिति डीएलसीसी की बैठक 26 सितम्बर कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सम्पन्न हुई।

बैठक में कलेक्टर ने किसान क्रेडिट कार्ड जारी करने के प्रकरणों की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि जिले में समस्त सहकारी समितियों में केसीसी कैंप लगाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि संबंधित बैंक इस प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी दर्ज करते हुए निर्धारित लक्ष्य की पूर्ति में सहयोग करें। उन्होंने केंद्रीय सहकारी बैंक को विशेष सहभागिता के लिए कहा। उन्होंने कहा कि केसीसी बनने के बाद बैंक द्वारा ऋ ण प्रकरण की स्वीकृति और वितरण की समीक्षा भी अगली बैठक में की जाएगी। उन्होंने कृषि क्षेत्र में कैबिनेट बैठक में लिए गए निर्णयों पर चर्चा करते हुए कहा कि मत्स्य, उद्यानिकी और पशुधन विभाग को ऋण की पात्रता का प्रावधान किया गया है। कैबिनेट बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार किसानों के सहकारी ऋणों पर ब्याज अनुदान नियम में संशोधन प्रारूप का अनुमोदन किया गया। जिसके अनुसार उद्यानिकी कार्यों, मत्स्य पालन एवं गौपालन के लिए लघु और सीमांत किसानों को 3 लाख रुपए तक का अल्प कालीन ऋण बिना ब्याज के मिलेगा।

शासकीय योजनाओं के अंतर्गत हितग्राहियों के ऋण प्रकरण, समूहों के बैंक लिंकेज, बीमा क्लेम के शीघ्र निराकरण के निर्देश

वित्तीय साक्षरता कैंप कर डिजिटल फ्रॉड के प्रति लोगों को जागरूक करें

कलेक्टर शर्मा ने बैठक में सभी बैंक अधिकारियों से वित्तीय साक्षरता कैंप आयोजित कर डिजिटल फ्रॉड के प्रति लोगों को जागरूक करने की अपील की। उन्होंने कहा कि एक आम व्यक्ति की जमा पूंजी उसके बैंक अकाउंट में होती है। जानकारी के अभाव में डिजिटल फ्रॉड की की घटनाओं से उनकी गाढ़ी कमाई का नुकसान होता है। इस तरह की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए लोगों को जागरूक करना बेहद आवश्यक है। उन्होंने डिजिटल फ्रॉड पर लोगों को जागरूक करने जिला प्रशासन के साथ समन्वय कर जागरूकता शिविर आयोजित करने को अपील की।

शासकीय योजनाओं के हितग्राहियों के ऋण प्रकरण समय पर निराकृत करें

कलेक्टर ने राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के तहत हितग्राही समूहों के बैंक लिंकेज एवं विभिन्न शासकीय योजनाओं के तहत ऋण प्रकरणों पर त्वरित कार्यवाही करते हुए ऋण स्वीकृत एवं वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसी तरह उन्होंने मुद्रा लोन के आवेदनों, दोहरी प्रामाणिकता, और बीमा क्लेम जैसे प्रकरणों पर भी शीघ्र कार्यवाही कर हितग्राहियों को मदद सुनिश्चित करने के आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

सीएम भूपेश बघेल पहुंचे महामाया के दरबार प्रदेश की खुशहाली के लिए की कामना

जोहार छत्तीसगढ़-रतनपुर।

महामाया के दर्शन कर प्रदेश मैं अमन चैन की कामना की शारदीय नवरात्रि नवरात्रि के दूसरे दिन सीएम भूपेश बघेल निर्धारित कार्यक्रम के तहत महामाया देवी दर्शन के लिए रतनपुर पहुंचे जैसे ही मुख्यमंत्री का काफिला हेलीपेड पर पहुंचा कांग्रेस नेताओं के द्वारा उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया उसके बाद उस का काफ्लिा मंदिर परिसर पहुंचा मंदिर परिसर में भारी संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने पुष्पगुच्छ एवं पुष्प हार से स्वागत किया। वही सीएम बघेल ने भी अपने चाहने वाले कार्यकर्ताओं को निराश नहीं किया और उनसे जाकर मुलाकात किया। और सभी का अभिवादन स्वीकार किया। कार्यकर्ताओं से मुलाकात करने के बाद सीधे देवी दर्शन के लिए मंदिर के गर्भगृह पहुंचे और विधि विधान से पूजा अर्चना की मां के दरबार में मत्था टेका और छत्तीसगढ़ की खुशहाली की कामना किए, मुख्यमंत्री के साथ गिरीश देवांगन ने भी महामाया

देवी में मत्था टेका इस अवसर पर मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष आशीष सिंह ठाकुर, आईजी रतनलाल डांगी, कलेक्टर सौरभ कुमार, एसपी पाखल माथुर, बिलासपुर विधायक शैलेश पांडेय, जिला अध्यक्ष कांग्रेस कमेटी बिलासपुर विजय केसरवानी, जिला पंचायत अध्यक्षअरुण चौहान, राजेंद्र शुक्ला, सुभाष अग्रवाल आशीष शर्मा सहित बड़ी संख्या में पुलिस के आला अधिकारी एवं कांग्रेस के नेता एवं कार्यकर्ता गण मौजूद रहे पत्रकारों से चर्चा करते हुए सीएम बघेल ने बताया कि छत्तीसगढ़ मैं दंतेश्वरी, बमलेश्वरी, महामाया ऐसे अनेकों तीर्थ स्थान है जहां श्रद्धालु नवरात्रि में पहुंच रहे हैं और मैं सभी की मनोकामना पूरी हो इसके लिए आज माता से कामना किया हूं और आशीर्वाद लिया हुं और सभी प्रदेशवासियों को नवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए पत्रकारों के द्वारा रेलवे को लेकर किए गए सवाल पर सीएम बघेल बिलासपुर के सांसद प्रदेश अध्यक्ष और उन सब को आड़े हाथों लेते हुए कहा केंद्रीय गवर्नमेंट में अपनी आवाज बुलंद नहीं कर पाने की वजह से आज रेल परिवहन बाधित है जनता की परेशानी भाजपा वालों को दिखाई नहीं देती महंगाई इतनी बढ़ रही है और यह लोग प्रदेश कांग्रेस को कोसने में ही लगे रहते हैं ऐसा कहते हुए अपने काफिले के साथ आगे बढ़ गए।

भाजयुमो मण्डल केल्हारी ने 3 सूत्रीय मांगों को लेकर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

15 दिन के अंदर सकारात्मक पहल न होने पर दी आंदोलन की चेतावनी

जोहार छत्तीसगढ़-कोरिया।

भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा मण्डल केल्हारी द्वारा 3 सूत्रीय मांगों को लेकर एसडीएम केल्हारी मूलचन्द चोपड़ा को ज्ञापन सौंपा गया साथ ही 15 दिन के भीतर उचित कार्यवाही ना होने पर आंदोलन की चेतावनी भी दी गई है। भाजयुमो मंडल केल्हारी द्वारा कनिष्क यंत्री जे.ई कार्यालय केल्हारी में चार सालों से रिक्त पद जे ई की पदस्थापना की मांग की गई है। भाजयुमो ने विद्युत विभाग के लचर व्यवस्था, अघोषित बिजली कटौती, प्रत्येक दिनए दिन रात में दर्जनों बार विद्युत कटौती पर नाराजगी जाहिर कर व्यवस्था सुधारने की मांग की है। ज्ञापन में मनेंद्रगढ़ केल्हारी जनकपुर मार्ग में आये दिन हो रहे सड़क दुर्घटना के लिए सड़क के दोनों ओर साइड सोल्डर मिट्टी कटिंग को कारण बताया गया है वही साइड सोल्डर एवम् मिट्टी फीलिंग तत्काल कराये जाने की मांग की है। भाजयुमो केल्हारी ने कहा है कि साइड सोल्डर न होने से रोझी स्थित पेट्रोल पंप और थाना केल्हारी के बीच में अब तक साल भर के अंदर 5 लोगों ने जान गवां दी है। केल्हारी से बिजुरी रोड में स्थित मनवारी डांड हंसवाही मार्ग में चलना दूभर हो गया जिसके लिए भी तत्काल मरम्मत कार्य के लिए भाजपा युवा मोर्चा मण्डल केल्हारी ने एस डी एम केल्हारी को ज्ञापन सौंपा है। भाजयुमो मंडल केल्हारी ने एसडीएम के माध्यम से संबंधित विभाग को चेताया है कि अगर 15 दिवस के अंदर उक्त तीन सूत्रीय मांगों पर संबंधित विभाग द्वारा सकारात्मक एवम संतुष्टिजनक कार्य नही किया जाता है तो भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी।

ईको टूरिज्म कोडार की बढ़ी पहचान, सैलानियों का बढ़ रहा रुझान

जोहार छत्तीसगढ़-महासमुन्द।

मंगलवार को 42वां विश्व पर्यटन दिवस मनाया जा रहा हैं। वर्ष 2022 में विश्व पर्यटन दिवस की थीम श्पर्यटन पर पुनर्विचार रखी गई है। पर्यटन दिवस के महत्व को समझाने और हर साल लोगों को जागरूक करने के लिए अलग-अलग थीम रखी जाती है। जिससे देश विदेश के नागरिक पर्यटन से जुड़ते हैं। छत्तीसगढ़ सहित महासमुंद जिले में पर्यटन को बढ़ावा अनेक प्रयास किया जा रहा है। सरकार ने प्रदेश के अलग.अलग जिलों में प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों में मोटल और रिसोर्ट और हॉटेल बनाए हैं। वहीं समय-समय पर पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं। सिरपुर को राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय हेरिटेज के रूप में विकसित करने और ज्यादा पहचान दिलाने शासन कटिबद्ध है। सिरपुर बहुत ही विस्तृत है। जो लगभग 10 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में फैला हुआ है और इस तरह अन्य जगह विस्तारित बौद्ध केन्द्र नहीं हैं। सिरपुर, डोंगरगढ़ और मैनपाट को टूरिज्म सर्किट से जोड़ने की तैयारी की जा रही है। पर्यटन सर्किट से जुड़ जाने से इस ओर सैलानियों का और ज़्यादा रुझान बढ़ेगा। जल्दी ही सिरपुर पूरे विश्व मानचित्र पर अंकित होगा। छत्तीसगढ़ का प्राचीनकाल से ही सभी क्षेत्रों में बढ़-चढ़कर योगदान रहा है। छत्तीसगढ़ हमेशा से देवभूमि रहा है। सिरपुर शिव, वैष्णव, बौद्ध धर्मों के प्रमुख केन्द्र भी है। सिरपुर अपनी ऐतिहासिक व पुरातात्विक महत्ता के कारण आकर्षण का केंद्र हैं। यह पांचवी से आठवीं शताब्दी के मध्य दक्षिण कोसल की राजधानी थी। यह स्थल पवित्र महानदी के किनारे पर बसा हुआ है। सिरपुर में सांस्कृतिक व वास्तुकौशल की कला का अनुपम संग्रह हैं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल अप्रैल में सिरपुर बौद्ध महोत्सव में शामिल हुए थे। उन्होंने सिरपुर के विकास के लिए 213.43 लाख के कार्यों की घोषणा की। इनमें 25 लाख रुपए से भव्य स्वागत द्वार का निर्माण, 73.15 लाख रुपए से सिरपुर मार्ग पर 04 तालाबों का सौंदर्यीकरण, 45.28 लाख रुपए से सिरपुर मार्ग पर 05 सुन्दर सुगंधित कोशल्या उपवन निर्माण, कोडार.पर्यटन टैटिंग व बोटिंग, 31.76 लाख रुपए, कोडार जलाशय तट पर वृक्षारोपण 17.38 लाख रुपए और सिरपुर के रायकेरा तालाब के लिए 30.86 लाख रुपए की लागत से बनाए गया है। मुख्यमंत्री की घोषणा अनुरूप

अधिकांश काम पूरे हो गए। सैलानियों के लिए रायकेरा तालाब में बोटिंग महात्मा गांधी की जयंती से शुरू हो गयी है। सिरपुर पहले से ही प्राकृतिक दृश्यों से भरपूर है। वृक्षारोपण के जरिए इसे और भी हरा-भरा किया जा रहा है। पर्यटकों के विश्राम सुविधा के लिए पांच सुगंधित फ ूलों वाली सुंदर कोशल्या उपवन वाटिकाएं तैयार हो गई है। इन उपवनों में प्रतिदिन रामचरितमानस का पाठ,भजन कीर्तन, स्थानीय मंडलियों द्वारा किया जा रहा है। वृक्षारोपण में बेर, जामुन, पीपल, बरगद, नीम, करंज, आंवला आदि के पौधे शामिल किए गए हैं। ताकि ऐतिहासिक महत्व के साथ-साथ लोगों को जैव विविधता का अहसास भी हो। इस इलाके में राम वन गमन पथ में छह ग्राम पंचायतों को मुख्य केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। जिसमें अमलोर, लंहगर, पीढ़ी, गढ़सिवनी, जोबा व अछोला शामिल है। सड़क के दोनों किनारों पर फ लदार, छायादार पौधे लगाए जा रहे हैं। इसी प्रकार महासमुंद के वीर शहीद नारायण सिंह जलाशय कोडारबांध, में बोटिंग सुविधा के साथ टेटिंग शुरू हुए अभी कुछ समय बीता है और यह लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। इस वन चेतना केंद्र कुहरी, इको पर्यटन कोडार जलाशय में विभिन्न विभागों के द्वारा सैलानियों के सुख.सुविधा के लिए अपने-अपने स्तर से विभिन्न सामग्रियां मुहैया कराई गयी है। इको पर्यटन केंद्र में 39 लाख की लागत से काम कराया गया है। कोडार जलाशय में नौका विहार के लिए बोटिंग की सुविधा सैलानियों को उपलब्ध है। वहीं कम दाम पर टेंटिंग में ठहरने के इंतजाम भी किए गए हैं। फ्लिहाल चार टेटिंग लगाए गए है। जिसमें एक टेंटिंग में दो व्यक्तियों के सोने और आराम करने के लिए पर्याप्त जगह है टूरिस्ट और बच्चों के लिए क्रिकेट, वालीबाल, कैरम, शतरंज के साथ ही निशानेबाजी की सुविधा भी इस इको पर्यटन केंद्र में उपलब्ध है। कोडार जलाशय नेशनल हाईवे-53 से नजदीक होने के कारण आने-जाने वाले लोगों को यहां सुकून का अनुभव होता है। जलाशय में बोटिंग की सुविधा के साथ ही कम दाम में टेंटिंग मे ठहरने के इंतजाम भी किए गए है। पर्यटन और प्रकृति को बढ़ावा देने एवं जिले की पुरातात्विक एवं संस्कृति से रूबरू कराने के उद्देश्य से टूर डे सिरपुर सायकल यात्रा आयोजित की गई। महासमुन्द जिले के सरायपाली स्थित शिशुपाल पर्वत ट्रैकिंग का नया प्वाइंट बन गया है। शनिवार और रविवार को यहां पर्यटकों की सबसे ज्यादा भीड़ होती है। बताया जाता है कि इसी पहाड़ के ऊपर किसी समय राजा शिशुपाल का महल हुआ करता था। जब राजा को अंग्रेजो ने घेर लिया। तब राजा ने अपने घोड़े की आंख पर पट्टी बांधकर पहाड़ से छलांग लगा दी थी। इसी कारण इस पहाड़ को शिशुपाल पर्वत और यहां के झरने को घोड़ाधार जलप्रपात कहा जाता है। ये राजधानी रायपुर से करीब 157 किमी की दूरी पर और सरायपाली से 30 किमी की दूरी पर स्थित पर्यटन स्थल शिशुपाल पर्वत स्थित है। समुद्र तल से शिशुपाल पर्वत की ऊंचाई करीब 900 फीट है। शिशुपाल पर्वत के ऊपर पहुंचने पर बड़ा सा मैदान है। जहां से बारिश के दिनों में पानी घोड़ाधार जलप्रपात के रूप में करीब 1100 फीट नीचे गिरता है। अब जिले के सरायपाली स्थित शिशुपाल पर्वत ट्रैकिंग का नया प्वाइंट बन गया है।

शराब परोसने वाले ढाबा संचालकों पर हुई कार्यवाही

जिले के समस्त थाना एवं चौकी क्षेत्र अंतर्गत स्थित होटल, ढाबा में दी गई दबिश

जोहार छत्तीसगढ़-बलौदाबाजार।

भाटापारा में स्थित होटल, ढाबा में सुविधा उपलब्ध कराकर लोगों को अवैध रूप शराब पिलाने की सूचना आमजनों एवं समाचार पत्रों के माध्यम से प्राप्त हो रही थी। सड़क दुर्घटनाओं का एक मुख्य कारण भी वाहन चालकों का ऐसे होटल ढाबों में रुककर शराब सेवन करना भी है।

जिस कारण से ऐसे होटलए ढाबा में शराब पीने वाले संचालकों पर नकेल कसना अत्यंत आवश्यक था। इन शिकायतों के त्वरित निराकरण एवं इस प्रकार के अवैधानिक कार्यों को बढ़ावा देने वाले होटल ढाबा संचालकों पर कड़ी वैधानिक कार्यवाही करने हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार झा के निर्देशन में 26 सितंबर 2022 को सायंध्रात्रि में जिले के समस्त थाना एवं चौकी क्षेत्रों में संबंधित प्रभारियों के नेतृत्व में थानों की पुलिस टीम द्वारा विशेष धरपकड़ अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत पुलिस टीम द्वारा क्षेत्रांतर्गत स्थित समस्त होटल, ढाबों मे एक साथ दबिश दिया गया। पुलिस टीम की इस औचक कार्यवाही से इन होटल ढाबा संचालकों एवं उन स्थानों में बैठे हुए लोगों में हड़कंप मच गया। कि पुलिस द्वारा इन होटल, ढाबा में शराब पीने की सुविधा उपलब्ध कराने वाले कुल 09 होटल ढाबा संचालकों को पकड़ा गया है। उक्त कार्यवाही के दौरान थाना सिटी कोतवाली मे 04, भाटापारा ग्रामीण में 02, भाटापारा शहर में 01, सुहेला में 02 होटल/ढाबा संचालकों को आमजनों को सुविधा उपलब्ध कराकर शराब पिलाते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया है। पकडे गए सभी होटलध्ढाबा संचालकों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत कार्यवाही की गई है। जिला बलौदाबाजार.भाटापारा पुलिस द्वारा अवैध शराब विक्रेताओं एवं होटल ढाबा में अवैध रुप से शराब पीने की सुविधा उपलब्ध कराने वाले होटल ढाबा संचालकों पर आगे भविष्य में भी कड़ी एवं प्रभावी कार्यवाही लगातार जारी रहेंगी।

जिला बलौदाबाजार, भाटापारा पुलिस द्वारा होटल, ढाबा में अवैध रूप से शराब पिलाने वाले संचालकों पर की गई कार्यवाही

*** होटल, ढाबा में अवैध रूप से शराब पिलाने वाले संचालकों की पहचान हेतु चलाया गया विशेष चेकिंग अभियान**

आरोपियों के नाम

रायपुर रोड में परमेन्द्र सिहं सलुजा ढाबा का संचालक. परमेन्द्र सिंह सलुजा पिता स्वण् जगदीश सिंह सलुजा उम्र 38 वर्ष साकिन लवन रोड बलौदाबाजार,रायपुर रोड में सुरज पटेल ढाबा कख संचालक. सुरज पटेल पिता बालमिकी पटेल उम्र 23 वर्ष साकिन रायपुर रोड बलौदाबाजार, रिसदा बाईपास में जायसवाल ढाबा का संचालक भगत गेण्डरे पिता रूखमा गेण्डरे उम्र 26 साल साकिन ग्राम छुईहा थाना सिटी कोतवाली,दशरमा बाईपास जयंत ढाबा का संचालक जयंत भारद्वाज पिता राज कुमार भारद्वाज उम्र 25 साल साकिन दशरमा बाईपास बलौदाबाजार थाना सिटी कोतवाली,सागर ढाबा भाटापारा का संचालक मुकेश पिता भागीरथी बंजारे उम्र 30 साल निवासी लाल बहादुर शास्त्री वार्ड भाटापारा थाना भाटापारा ग्रामीण,हुलास ढाबा अर्जुनी का संचालक कन्हैया पिता भूषण कुमार साहू उम्र 24 साल निवासी ग्राम अर्जुनी थाना भाटापारा ग्रामीण, वर्मा ढाबा ग्राम हिरमी का संचालक नरेंद्र पिता अश्वनी वर्मा उम्र 23 साल निवासी ग्राम हिरमी थाना सुहेला,अपना ढाबा ग्राम हिरमी का संचालक गोविंद पिता जीवन वर्मा उम्र 32 साल निवासी ग्राम हिरमी थाना सुहेला,साहू होटल,चखना सेंटर हथनी पारा वार्ड भाटापारा का संचालक अजय पिता निर्मल साहू उम्र 35 साल निवासी नयापारा वार्ड भाटापारा थाना भाटापारा शहर।

एक नजर

लकेश बघेल महासचिव एवं पुष्पकांत मेजर को सचिव के पद पर किया नियुक्त

जोहार छत्तीसगढ़-बालोदाबाजार।

अखिल भारतीय मजदूर कांग्रेस संघ जिला बलौदा बाजार भाटापारा का हुआ विस्तार,छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष गुलाब देव महाराज के अनुशंसा से संगठन ने समाज के प्रति उत्कृष्ट नेतृत्व क्षमता,निष्ठा,ईमानदारी व सेवा भाव को दृष्टिगत रखते हुए पुष्पकांत मेजर को बलौदा बाजार भाटापारा सचिव एवं लकेश बघेल को महासचिव नियुक्त किया गया है। उक्त नियुक्त होने पर प्रदेश महासचिव महेश पटेल,कोषाध्यक्ष अजीत सायतोड़े, पलारी जनपद उपाध्यक्ष एवं प्रदेश सचिव,डवोकेट मनोज आडिल, देवकरण मरकाम,विनोद, प्रदेश उपाध्यक्ष अब्दुल रहीम, संगठन मंत्री के एम नाथ नायर महामंत्री सीएल टंडन रायपुर जिला अध्यक्ष महेश कुमार साहू खैरागढ़ जिला अध्यक्ष शोमेश कुमार एडवोकेट आर मल्होत्रा, राज यादव संतोष यादव मिथुन मानिकपुरी पूनम निषाद पूर्णइंद्र नवरंगी,करण यादव, प्रकाश दत्त दुबे सरोज कुमार साहू,संतोष कुमार साहू,कौशल वर्मा, लीलाधर वर्मा,झरियार साहू आदि संगठन के पदाधिकारी एवं शुभचिंतकों द्वारा बधाई दी गई।

लोहारी रेलवे ट्रैक में मिली युवक की लाश, शव की पहचान पर पता चला मृतक था पुलिस कॉन्स्टेबल,जांच में जुटी पुलिस विभाग

जोहार छत्तीसगढ़-कोरिया।

जिला एमसीबी के नागपुर चौकी अंतर्गत ग्राम लोहारी में सुबह एक ताजा मामला सामने आया है। जहां लोहारी ग्राम से गुजरते रेलवे पटरी में एक युवक की शव मिली है। जहां देखा गया है कि शरीर और धड़ दोनों अलग पटरियों में पड़े हैं। बताया जा रहा है कि मृतक की पहचान करने पर यह पता चला कि मृतक राम सिंह अयाम निवासी महाराजपुर जो कि इन दिनों पोंड़ी के 96 कॉलोनी में भी निवासरत था। चूंकि कॉन्स्टेबल राम सिंह अयाम की पोस्टिंग चिरमिरी थाना में था मगर पारिवारिक कारणों से बाध्य हो कर आज सुबह राम सिंह आयाम ने आत्महत्या कर ली। मौके पर जिला एमसीबी के पुलिस अधीक्षक टीआर कोशिमा और चिरमिरी शहर के नगर पुलिस अधीक्षक उपस्थित हुए एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा इस पूरे मामले की जांच के निर्देश दिए गए।

जिस्म फरोशी का धंधा करने के आरोप में 4 गिरफ्तार

कोरबा । पुलिस अधीक्षक कोरबा संतोष सिंह को दिनांक 25 सितंबर 2022 को सूचना प्राप्त हुआ कि ऋतुराज होटल एवं बार में कुछ लड़के लड़कियों के द्वारा जन्मदिन पार्टी के नाम पर जिस्मफरोशी का धंधा किया जा रहा है। सूचना पर कार्यवाही हेतु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के मार्गदर्शन, नगर पुलिस अधीक्षक दर्री सुश्री लितेश सिंह के नेतृत्व में संतोष सिंह द्वारा साइबर सेल प्रभारी उपनिरीक्षक कृष्णा साहू एवं टीम को भेजा गया। नगर पुलिस अधीक्षक दर्री श्री लितेश सिंह के नेतृत्व में साइबर सेल एवम थाना दर्री टीम के द्वारा साडा कॉलोनी स्थित ऋतुराज होटल में छापा मारा गया। जहां संदीप अग्रवाल नामक व्यक्ति द्वारा अपना बर्थडे पार्टी कार्यक्रम का आयोजन कर वेश्यावृत्ति कराने के उद्देश्य से 04 लड़कियों को बुलाया गया था। जिसमें एक महिला दलाल भी थी, होटल के 3 अलग अलग कमरों में आरोपी संदीप अग्रवाल, अमन कुमार सिंह एवम दीपक बारीक द्वारा 3 अलग अलग लड़कियों के साथ आपत्तिजनक संदिग्ध अवस्था में पाए गए। जिनका कृत्य अनैतिक व्यापार निवारण अधिनियम की धारा 4, 5 एवं 7 के अंतर्गत दंडनीय अपराध का होना पाए जाने पर आरोपियों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया गया न्यायालय द्वारा सभी आरोपीगण को न्यायिक हिरासत पर जेल भेजा गया है।

चोरी का आरोपी खरीददार सहित गिरप्तार बेलगहना पुलिस की कार्यवाही

जोहार छत्तीसगढ़-रतनपुर।

मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि प्रार्थी पवन कुमार केंवट पिता बंधनराम केवट उम्र 35 वर्ष ग्राम केन्दा का घर का निमार्ण करवा रहा था। निमार्ण कार्य हेतु प्रार्थी 04 बंडल लोहे की छड़ लेकर आया था। 24 सितंबर 2022 को जब प्रार्थी मौके पर पहुंचा तो देखा कि 03 बंडल छड़ कीमती 20000 का नही था। कोई अज्ञात चोर चोरीकर ले गये थे। जिसकी रिपोर्ट प्रार्थी द्वारा चौकी बेलगहना में की गई। बेलगहना पुलिस द्वारा तत्काल धारा 379 भादवि का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारम्भ की गई। विवेचनाके दौरान केन्दा पुलिस सहायता केन्द्र के आरक्षक भास्कर साहू को माल मुलजिम के संबंध में जानकारी मिली जिस पर चौकी बेलगहना के प्रआर राजेश्वर साय, आरक्षक सत्येन्द आर भास्कर साहू आरक्षक ईश्वर नेताम द्वारा संतोषदास निवासी केन्दा को पकड़कर पूछताछकिया गया। जो अपने अन्य साथी अनिरूद्ध के साथ चोरी कर लोहे के छड़ को श्यामलाल विश्वकर्मा को बेच देना बतलाये। जिस पर पुलिस द्वारा श्यामलाल विश्वकर्मा से लोहे की छड़ बरामद कर आरोपियों, संतोषदास पिता मनबोध मानिकपुरी उम्र 28 सा. केन्दाचारपारा चौकी बेलगहना एवं खरीददार, श्यामलाल विश्वकर्मा पिता श्रीराम उम्र 42 सा.केन्दा कुम्हारपारा चौकी बेलगहना को गिरप्तार कर जुडिशियल रिमांड पर भेजा गया है।

ग्राम बोरतरा में हरि कीर्तन प्रतियोगिता संपन्न हुआ, 40 हरि कीर्तन टोली ने प्रतियोगिता में भाग लिया

कुर्मी खाम्ही ने प्रथम स्थान प्राप्त किया

जोहार छत्तीसगढ़-बेमेतरा।

बेमेतरा जिला के नवागढ़ विकासखंड के क्षेत्र में आने वाला ग्राम पंचायत बोरतरा जहां पर हरि कीर्तन रामधुनी प्रतियोगिता का आयोजन 24 सितंबर 2022 शाम 4 बजे से 25 सितंबर 2022 तक रखा गया था जिसमें 24 घंटे की हरि कीर्तन का आयोजन में हरि कीर्तन प्रतियोगिता आयोजन रखा गया था। जिसमें 40 हरि कीर्तन प्रतियोगिता मंडलियों ने भाग लिया और बड़े ही अच्छे और आनंदित ढंग से बोरतरा की धरती को राम नाम की ध्वनि से गुंजायमान कर दिया और बोरतरा की धरती में इस तरह का आयोजन लगातार हर वर्ष किया जा रहा है इस वर्ष भी बड़े ही अच्छे अंदाज में हरि कीर्तन रामधुनी प्रतियोगिता हुआ जिसमें कुर्मीखाम्ही,फ दवानी,कटई,पांडे खम्हरिया,सेमरकोना,पेंड्री,बुचीपुर, कटई ठ, जरहापारा,अमोरा से,कान् हरपुर,कमलपुर,घोघरा चुने गए और पुरस्कार समस्त हरि कीर्तन मंडली एवं ग्रामवासी बोरतरा के द्वारा जिस राशि से रखे गए थे उनके अनुसार दिया गया तथा सभी मानस मंडली के 960 की सम्मानित राशि भी दी गई जिस में मुख्य रूप से अध्यक्ष मां महामाया देवी, कोषाध्यक्ष महादेव, संरक्षक बजरंगबली, यजमान राम साहू कौशल्या साहू, ग्राम आचार्य गौतम प्रसाद तिवारी घोघरा,मंच संचालक डॉ मानसिंह साहू, रज्जू यादव, लाइट टेंट एवं साउंड में मां शक्ति डीजे बोरतरा तथा हरि कीर्तन रामधुनी प्रतियोगिता के माध्यम से यह बताया गया कि प्रतिवर्ष इस तरह का आयोजन ग्राम बोरतरा में होता है और यह आगे भी जारी रहेगा ग्राम पंचायत सरपंच लता रज्जू यादव ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि।

एक घड़ी आधो घड़ी,आधो के पुनिआध,तुलसी चर्चा राम के कटै कोट अपराध

अर्थात तुलसीदास जी कहते हैं कि प्रभु राम का नाम 24 घंटे में एक बार नहीं तो 12 घंटे में एक बार अगर आप 12 घंटे में भी एक बार राम का नाम नहीं ले सकते तो एक बार ही ले आपके जितने भी अपराध है वह दूर हो जाए उपरोक्त बातों के आधार पर जीवन को धन्य बनाते हुए राम का नाम लेने की मुखिया ने लोगों से अपील की।

पाली पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी,पाली थाना अंतर्गत हत्या कर सोने की माला को लूटने वाले दो आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

जोहार छत्तीसगढ़-रतनपुर।

पाली थाना अंतर्गत खैरा बहार में 23 सितंबर 2022 को महिला की हत्या की खबर मिले थी। जिस पर महिला के मृत अवस्था में मिलने के दौरान पंचनामा विवेचना कार्यवाही में मदद एवं राय देने हेतु एफएसएल अधिकारी एवं डॉग स्कॉट प्रभारी के उपस्थिति में विधिवत पंचनामा कार्यवाही किया गया। पंचनामा कार्यवाही के दौरान मृतका की एक पालतू बिल्ली उसे भी अज्ञात व्यक्तियों के द्वारा किसी चीज से मार कर हत्या कर दी गई थी। जिस पर साक्ष्यो को जप्त कर मृतिका एवं मृत बिल्ली का पीएम कराया गया। पीएम में शार्ट रिपोर्ट हासिल होने के बाद प्रथम दृष्टया मृतका की गला एवं सीना को दबाए जाने से मृत्यु होना बताया जाने पर अपराध क्रमांक 283/2022 धारा 302, 397 भादवि पंजीबद्ध कर विवेचना कार्यवाही में लिया गया। मामला अज्ञात हत्या का होने से पुलिस अधीक्षक कोरबा संतोष सिंह से उचित दिशा निर्देश प्राप्त कर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के मार्गदर्शन एवं अनुविभागीय अधिकारी कटघोरा ईश्वर त्रिवेदी के निर्देशन पर थाना प्रभारी पाली के नेतृत्व व मार्गदर्शन पर विवेचना कार्यवाही के दरमियान थाना पाली से दो टीम दिन और रात गांव में आरोपी को पता तलाश हेतु लगाई गई थी इस दौरान पता चला कि गांव में रहने वाला मृतका का पड़ोसी रामरतन मृतका के जमीन को अधिया में लेकर चार पांच वर्षों से खेती करने का काम कर रहा था उपज का हिस्सा को बांटने को लेकर दोनों के बीच आए दिन विवाद होते रहता था घटना दिनांक को भी मृतिका के घर में मृतिका और आरोपियों के बीच शराब पीने के बाद उपजे बंटवारे के बाद को लेकर फि र से विवाद हुआ विवाद बढ़ने पर गुस्से में आकर रामरतन ने काशी के साथ मिलकर मृतिका का गला दबाकर हत्या कर दिया।

अंतर महाविद्यालीन युवा महोत्सव मड़ई 2022

कृषि महाविद्यालय साजा के छात्र-छात्राएं भी होंगे शामिल

जोहार छत्तीसगढ़-बेमेतरा।

कुमारी देवी चौबे कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र, साजा के छात्र-छात्राओं ने इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा आयोजित अंतर महाविद्यालीन युवा महोत्सव मड़ई-2022 में भाग लेंगे। यह महोत्सव राजमोहनी देवी कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र, अंबिकापुर में 27 से 29 सितंबर तक आयोजित हो रहा है। इस महोत्सव में कुमारी देवी चौबे कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र, साजा के अधिष्ठाता डॉ. आलोक तिवारी के मार्गदर्शन में महाविद्यालय के सांस्कृतिक प्रभारी डॉ. ए.के.श्रीवास्तव, रोहित धृतलहरे व सुश्री सुषमा चक्रधारी 27 छात्र-छात्राओं ने विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं जैसे-भारतीय नृत्य, लोक नृत्य, देशभक्ति नृत्य, संगीत, प्रश्नोत्तर प्रतियोगिता, स्कीट, माइम, मोनो एक्टिंग, पोस्टर पेंटिंग, रंगोली एवं वाद-विवाद प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने हेतु साजा से अंबिकापुर के लिए प्रस्थान किया।

ग्राम बोरतरा में हरि कीर्तन प्रतियोगिता संपन्न , 40 हरि कीर्तन टोली ने प्रतियोगिता में भाग लिया

कुर्मी खाम्ही ने प्रथम स्थान प्राप्त किया

जोहार छत्तीसगढ़-बेमेतरा।

बेमेतरा जिला के नवागढ़ विकासखंड के क्षेत्र में आने वाला ग्राम पंचायत बोरतरा जहां पर हरि कीर्तन रामधुनी प्रतियोगिता का आयोजन 24 सितंबर 2022 शाम 4 बजे से 25 सितंबर 2022 तक रखा गया था जिसमें 24 घंटे की हरि कीर्तन का आयोजन में हरि कीर्तन प्रतियोगिता आयोजन रखा गया था। जिसमें 40 हरि कीर्तन प्रतियोगिता मंडलियों ने भाग लिया और बड़े ही अच्छे और आनंदित ढंग से बोरतरा की धरती को राम नाम की ध्वनि से गुंजायमान कर दिया और बोरतरा की धरती में इस तरह का आयोजन लगातार हर वर्ष किया जा रहा है इस वर्ष भी बड़े ही अच्छे अंदाज में हरि कीर्तन रामधुनी प्रतियोगिता हुआ जिसमें कुर्मीखाम्ही,फ दवानी,कटई,पांडे खम्हरिया,सेमरकोना,पेंड्री,बुचीपुर, कटई ठ, जरहापारा,अमोरा से,कान् हरपुर,कमलपुर,घोघरा चुने गए और पुरस्कार समस्त हरि कीर्तन मंडली एवं ग्रामवासी बोरतरा के द्वारा जिस राशि से रखे गए थे उनके अनुसार दिया गया तथा सभी मानस मंडली के 960 की सम्मानित राशि भी दी गई जिस में मुख्य रूप से अध्यक्ष मां महामाया देवी, कोषाध्यक्ष महादेव, संरक्षक बजरंगबली, यजमान राम साहू कौशल्या साहू, ग्राम आचार्य गौतम प्रसाद तिवारी घोघरा,मंच संचालक डॉ मानसिंह साहू, रज्जू यादव, लाइट टेंट एवं साउंड में मां शक्ति डीजे बोरतरा तथा हरि कीर्तन रामधुनी प्रतियोगिता के माध्यम से यह बताया गया कि प्रतिवर्ष इस तरह का आयोजन ग्राम बोरतरा में होता है और यह आगे भी जारी रहेगा ग्राम पंचायत सरपंच लता रज्जू यादव ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि।

एक घड़ी आधो घड़ी,आधो के पुनिआध,तुलसी चर्चा राम के कटै कोट अपराध

अर्थात तुलसीदास जी कहते हैं कि प्रभु राम का नाम 24 घंटे में एक बार नहीं तो 12 घंटे में एक बार अगर आप 12 घंटे में भी एक बार राम का नाम नहीं ले सकते तो एक बार ही ले आपके जितने भी अपराध है वह दूर हो जाए उपरोक्त बातों के आधार पर जीवन को धन्य बनाते हुए राम का नाम लेने की मुखिया ने लोगों से अपील की।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक नारायण बाईन, द्वारा आसमा पब्लिसर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड,जयस्तंभ चौक रायपुर से मुद्रित कर मेडरमार कालोनी, जिला-रायगढ़ (छत्तीसगढ़) से प्रकाशित।
संपादक -**नारायण बाईन,** फोन -फैक्स 07766299001, मो, 9479177711, 7489419194 Email-joharchhattisgarh@gmail.com, joharchhattisgarh@yahoo.co.in